



Manish



Shivani

Model: Love-Horoscope

Order No: 121534001

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
05/05/1998 :	जन्म तिथि	: 17-18/04/2003
मंगलवार :	दिन	: गुरु-शुक्रवार
घंटे 10:05:05 :	जन्म समय	: 04:30:30 घंटे
घटी 10:33:17 :	जन्म समय(घटी)	: 56:02:57 घटी
India :	देश	: India
Indore :	स्थान	: Tikamgarh
22:42:00 उत्तर :	अक्षांश	: 24:44:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व :	रेखांश	: 78:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24 :	स्थानिक संस्कार	: -00:14:40 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:51:46 :	सूर्योदय	: 05:51:45
18:54:24 :	सूर्यास्त	: 18:37:25
23:49:54 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:53:55
मिथुन :	लग्न	: मीन
बुध :	लग्न लग्नाधिपति	: गुरु
सिंह :	राशि	: तुला
सूर्य :	राशि-स्वामी	: शुक्र
मघा :	नक्षत्र	: स्वाति
केतु :	नक्षत्र स्वामी	: राहु
4 :	चरण	: 4
ध्रुव :	योग	: सिद्धि
तैतिल :	करण	: तैतिल
मे-मेहर :	जन्म नामाक्षर	: ता-तनुजा
वृष :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मेष
क्षत्रिय :	वर्ण	: शूद्र
वनचर :	वश्य	: मानव
मूषक :	योनि	: महिष
राक्षस :	गण	: देव
अन्त्य :	नाड़ी	: अन्त्य
मूषक :	वर्ग	: सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 1वर्ष 5मा 9दि	22:17:12	मिथु	लग्न	मीन	05:34:38	राहु 0वर्ष 1मा 25दि
चन्द्र	20:39:54	मेष	सूर्य	मेष	03:37:02	शनि
13/10/2025	10:35:10	सिंह	चंद्र	तुला	19:53:10	13/06/2019
14/10/2035	22:30:40	मेष	मंगल	मक	03:39:43	13/06/2038
चन्द्र	24:06:04	मीन	बुध	मेष	23:05:53	शनि
14/08/2026	26:30:03	कुंभ	गुरु	कर्क	14:27:43	16/06/2022
मंगल	07:43:54	मीन	शुक्र	मीन	01:36:31	23/02/2025
15/03/2027	02:14:04	मेष	शनि	मिथु	00:51:24	04/04/2026
राहु	14:29:14	सिंह	राहु व	वृष	05:50:08	03/06/2029
13/09/2028	14:29:14	कुंभ	केतु व	वृश्चि	05:50:08	सूर्य
गुरु	18:50:53	मक	हर्ष	कुंभ	07:55:18	16/05/2030
13/01/2030	08:19:53	मक व	नेप	मक	19:04:23	चन्द्र
14/08/2031	13:28:16	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	25:52:28	16/12/2031
शनि						मंगल
12/01/2033						राहु
बुध						गुरु
केतु						13/06/2038
13/08/2033						
शुक्र						
सूर्य						

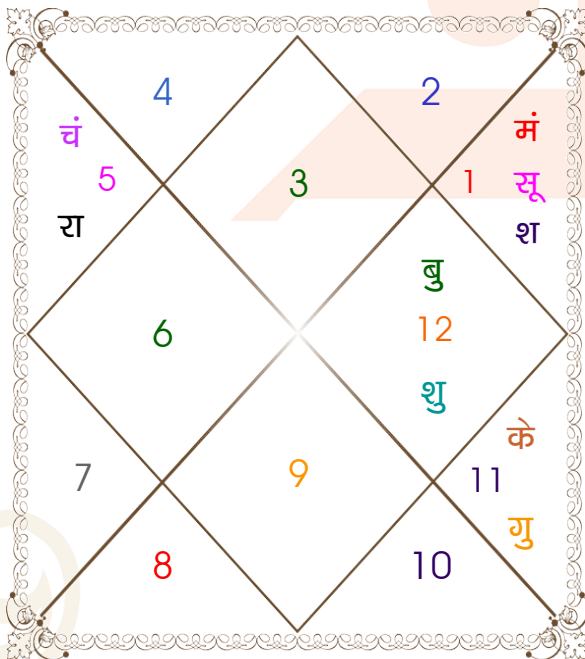
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

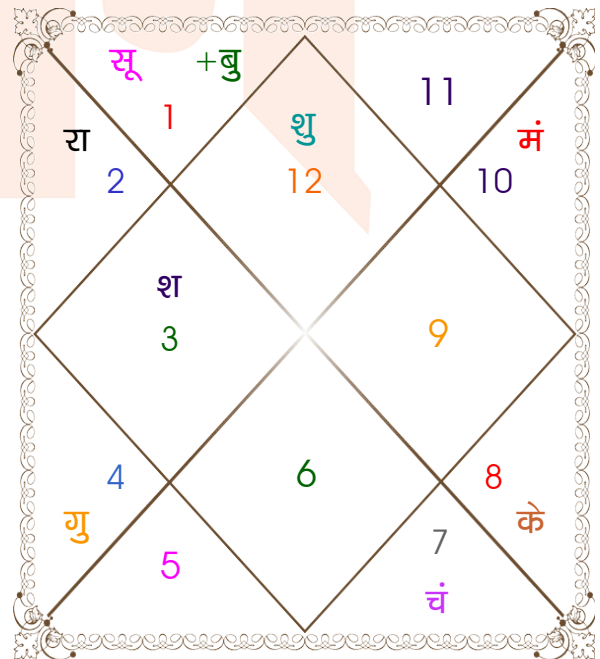
राहु : स्पष्ट

23:49:54 चित्रपक्षीय अयनांश 23:53:55

लग्न-चलित



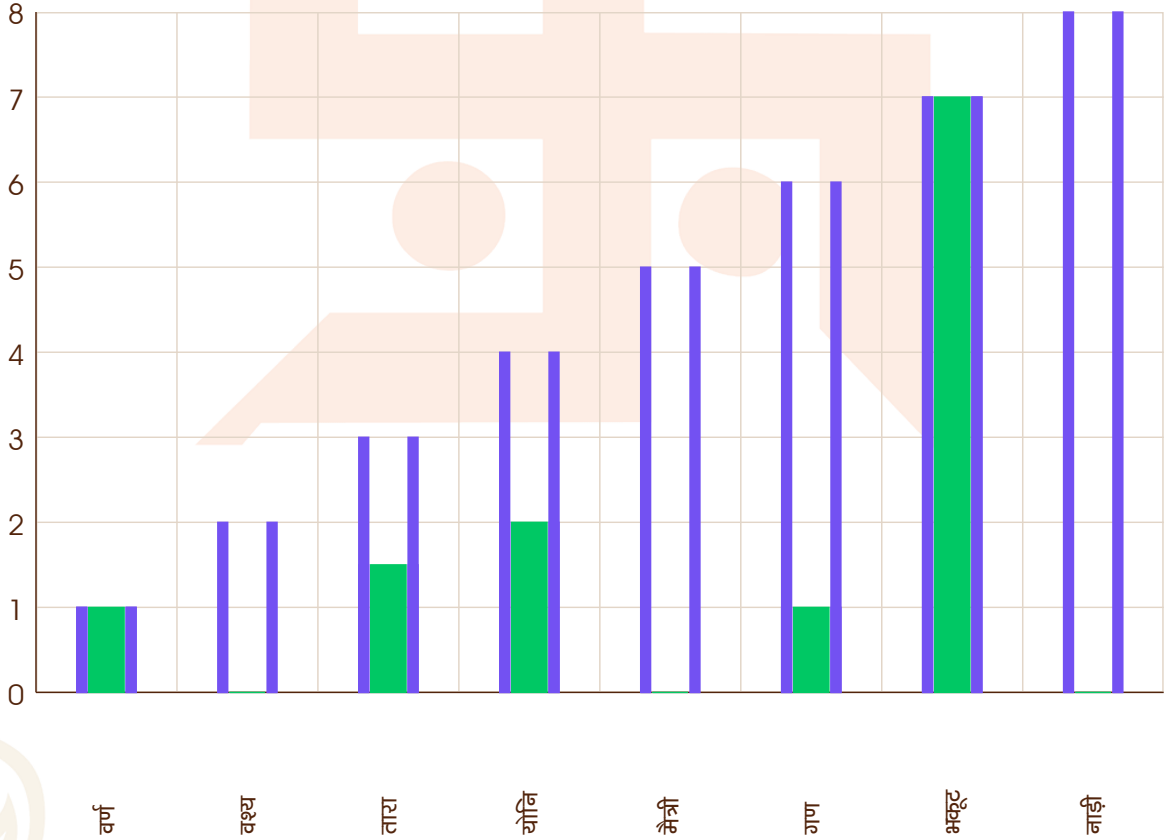
लग्न-चलित



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शुक्र	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.50		

कुल : 12.5 / 36



अष्टकूट मिलान

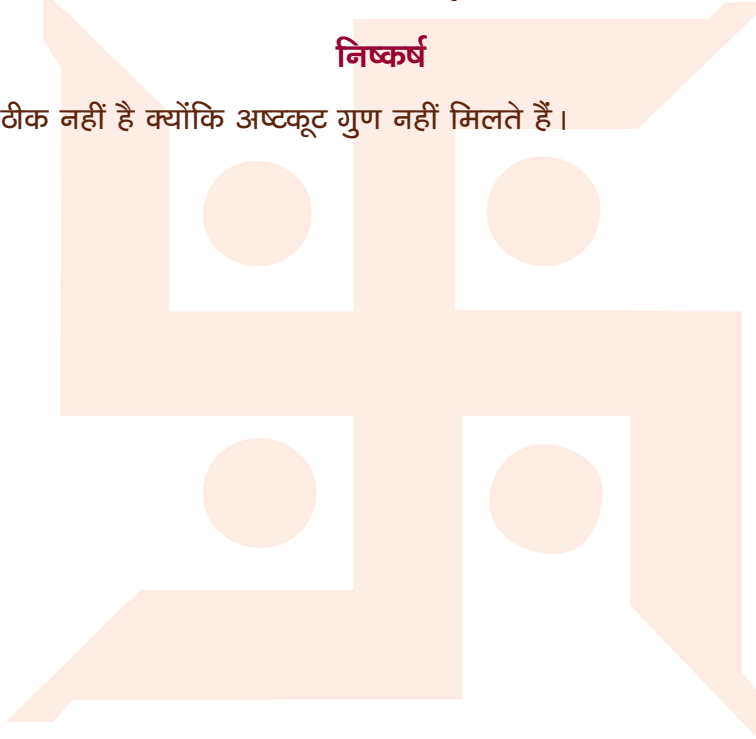
नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।
डंदपौ का वर्ग मूषक है तथा Shivani का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार डंदपौ और Shivani का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डंदपौ मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।
Shivani मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।
डंदपौ तथा Shivani में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।



अष्टकूट फलादेश

वर्ण

इंदपी का वर्ण क्षत्रिय तथा Shivani का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाव से Shivani वैश्विक मां की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा सभी की देखभाल तथा सेवा बिना थके, बिना शिकायत किये करती रहेगी। साथ ही परिवार के किसी भी सदस्य अथवा इंदपी से कभी तर्क-वितर्क नहीं करेगी। अपने इसी आतिथ्य भाव के कारण सभी की प्रशंसा का पात्र बनेगी।

वश्य

इंदपी का वश्य वनचर है एवं Shivani का वश्य द्विपद (मनुष्य) है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। वनचर मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु होता है तथा जब भी मौका मिलता है वनचर मनुष्य पर आक्रमण कर उसे मारकर खा जाता है। इसी प्रकार वैवाहिक संबंधों में भी दोनों एक-दूसरे के लिए शत्रु साबित होंगे। इंदपी और Shivani के बीच अक्सर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहेगा। दोनों समय समय पर एक दूसरे का अपमान करते रहेंगे। एक दूसरे की परवाह भी कम ही करेंगे। दोनों अक्सर लड़ाई-झगड़ा, एक-दूसरे पर वार एवं अपमान करते रहेंगे। जिससे परिवार की सुख-शांति भंग हो सकती है। ऐसी स्थिति में संतान भी अति क्रोधी, असामाजिक एवं अमानवीय व्यवहार करने वाले हो सकती है।

तारा

इंदपी की तारा प्रत्यरि तथा Shivani की तारा साधक है। इंदपी की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत इंदपी कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप Shivani को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

इंदपी की योनि मूषक है तथा Shivani की योनि महिष है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को

लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डंदपी एवं Shivani दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अत्यधिक बुरा मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि में यदि दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हों तो इसे अत्यधिक बुरा मिलान माना जाता है। जिसके कारण डंदपी एवं Shivani के बीच किसी प्रकार का प्रेम नहीं रहेगा तथा दोनों में काफी वैचारिक भिन्नता, तनाव, झगड़ा, मुकदमेबाजी यहां तक कि तलाक आदि की स्थिति भी बन सकती है। परिवार में शांति एवं सौहार्दता के अनुपस्थित रहने के कारण घर में हमेशा पैसे का अभाव बना रह सकता है तथा अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी डंदपी दवं Shivani को काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। इनके बच्चे अयोग्य, बात नहीं सुनने वाले तथा जीवन में काफी हद तक असफल होते हैं।

गण

डंदपी का गण राक्षस तथा Shivani का गण देव है। अर्थात् Shivani का गण डंदपी के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण डंदपी निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही डंदपी का Shivani के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। Shivani हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

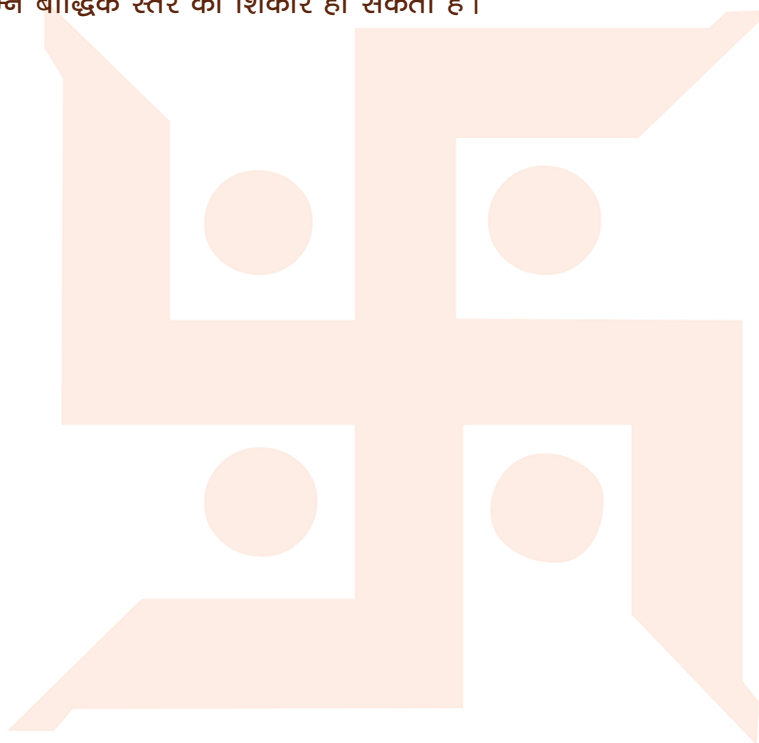
भकूट

डंदपी से Shivani की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Shivani से डंदपी की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण डंदपी अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर Shivani

सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

इंदपी की नाड़ी अन्त्य है तथा Shivani की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात् यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। इंदपी एवं Shivani की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वास की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।



मेलापक फलित

स्वभाव

इंदपी की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त सिंह तथा Shivani की वायुतत्व युक्त तुला राशि है। नैसर्गिक रूप से अग्नि एवं वायुतत्व में समानता पाई जाती है। अतः इंदपी और Shivani के मध्य स्वाभाविक समानताएं रहेगी परन्तु समय समय पर मतभेद एवं विवाद भी उत्पन्न होंगे। अतः मिलान मध्यम रहेगा।

इंदपी की राशि का स्वामी सूर्य तथा Shivani की राशि का स्वामी शुक परस्पर शत्रुभाव में पड़ते हैं। अतः इसके प्रभाव से इंदपी और Shivani के मध्य परस्पर विरोध एवं वैमनस्य का भाव रहेगा। साथ ही परस्पर एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करेंगे तथा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे फलतः परस्पर संबंधों में कटुता तथा तनाव रहेगा एवं एक दूसरे के प्रति सहयोग एवं सहानुभूति के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त इंदपी की तेजस्वी प्रवृत्ति से भी यदा कदा अशांति उत्पन्न होगी।

इंदपी और Shivani की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शास्त्रानुसार शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ फलों में न्यूनता होगी तथा यत्नपूर्वक परस्पर सामंजस्य स्थापित करके एक दूसरे को सुख एवं सहयोग प्रदान करने के लिए उद्यत रहेंगे। साथ ही एक दूसरे के प्रति आकर्षण स्नेह एवं समर्पण के भाव में भी वृद्धि होगी। इंदपी और Shivani की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन में सफल रहेंगे।

इंदपी का वश्य वनचर तथा Shivani का वश्य मानव है। वनचर एवं मानव में नैसर्गिक शत्रुता एवं विषमता विद्यमान रहती है अतः इंदपी और Shivani की अभिरुचियों में विषमता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं असमान रहेंगी फलतः दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में असमर्थ होंगे।

इंदपी का वर्ण क्षत्रिय तथा Shivani का वर्ण शूद्र है। अतः इंदपी पराकमी एवं साहसी कार्यो को करने में प्रवृत्त रहेंगे। Shivani की प्रवृत्ति किसी भी कार्य को बिना किसी वरीयता के परिश्रम एवं ईमानदारी से सम्पन्न करेंगी। फलतः कार्य क्षेत्र में उन्नति मार्ग प्रशस्त रहेंगे।

धन

इंदपी और Shivani की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। इंदपी और Shivani की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

Shivani एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सटटे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

डंदपी तथा Shivani दोनों की ही अन्त्य नाड़ी है। अतः दोनों नाड़ी दोष से पीड़ित रहेंगे इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक अस्वस्थता के कारण सांसारिक महत्व के कार्यों को करने में परेशानी की अनुभूति होगी। इससे Shivani को गले से संबंधित कोई परेशानी हो सकती है तथा कफ या वात संबंधी कष्ट का भी सामना करना पड़ेगा। लेकिन मंगल का इन पर कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। अतः रोग की गंभीरता से बचाव रहेगा लेकिन समय समय पर न्यूनाधिक कष्ट की इन्हें अनुभूति होती रहेगी। इसके अतिरिक्त Shivani को यदा कदा यौन संबंधी गुप्त रोगों का भी सामना करना पड़ सकता है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा जिससे इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डंदपी और Shivani का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डंदपी और Shivani के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Shivani के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Shivani को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Shivani को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डंदपी और Shivani सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डंदपी और Shivani का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Shivani के अपनी ससुराल के लोगों से संबंधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा

कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि Shivani धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से Shivani के संबंध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी Shivani का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी Shivani से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

इंदपी की अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उनके प्रति श्रद्धा सम्मान एवं सहयोग का भाव रहेगा। इंदपी सपत्नीक समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे जिससे आपसी संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी। साथ ही इंदपी का व्यवहार उनके प्रति विनम्रता से युक्त रहेगा।

ससुर के साथ भी इंदपी के संबंधों में मधुरता का भाव रहेगा। साथ ही इन दोनों के मध्य दामाद ससुर की अपेक्षा पिता पुत्र का भाव अधिक रहेगा। इंदपी भी समय समय पर अपने समस्याओं के समाधान के लिए ससुर से सलाह लेते रहेंगे लेकिन साले तथा सालियों से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान तथा सहयोग की प्राप्ति अल्प मात्रा में ही होगी।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण इंदपी के प्रति अनुकूल रहेगा जिससे उनके आपसी संबंध अनौपचारिक रहेंगे।

लग्न फल

Manish

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के प्रथम चरण में मिथुन लग्न में हुआ था। मिथुन लग्नोदय के साथ-साथ मेष का नवांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म के प्रभाव से यह सुनिश्चित होता है कि आपका जीवन आरामदायक एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। मुख्यतः आपके जीवन का स्वर्णम काल आपकी आयु के पचीसवें वर्ष से प्रारंभ होगा। आपके जन्म की आकृति निःसंदेह रूप से आपके अनुकूल है। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप पिछली कतार में आबद्ध होकर, सुगमता पूर्वक उपलब्धियां प्राप्त कर लें। अर्थात् कुछ भी प्राप्त करना आसान नहीं है। आशा की जाती है कि आप जिस वस्तु को प्राप्त करना चाहते हैं उस वस्तु अर्थात् आपकी अपेक्षा का लाभ स्वतः यंत्रवत् प्राप्त कर लेंगे। आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु परिश्रम करना स्थगित कर देंगे तो आपका लक्ष्य असफल हो जाएगा। यदि आप समस्याओं के साथ संघर्ष करेंगे तो निश्चित सफलता मिलेगी।

मिथुन लग्न राशि के प्रभाव से ज्ञात हो रहा है कि आप चंचल बुद्धि के प्राणी हैं। आप जो कुछ भी लाभान्वित करना चाहते हैं, उसकी प्राप्ति हेतु प्रायः आप अपने काम व्यवसाय को निश्चित रूप से बदल सकते हैं। यदि आप अपने जीवन में सफल होकर उन्नति करना चाहते हैं तो सोच समझ कर प्रस्तुत कार्य-व्यवसाय को पूरा कर लें कार्य करने के लिए कोई बीच का रास्ते बिना निकाले कार्य संपन्न करने की योग्यता आप में विद्यमान है तथा आप ऐसा कर सकते हैं।

आपकी महान संपत्ति आपकी बड़ी अभिलाषाओं की पूर्ति नहीं करेगा। यदि आप में मानवीय गुण का अभाव है। आप कुछ धन या वस्तु प्राप्त कर संतुष्ट हो जाते हो कार्य चाहे छोटा ही क्यों न हो। आप अन्य लोगों के प्रति समर्पित भाव तथा अपनी योजना को सुनिश्चित करने के लिए सहयोगात्मक प्रवृत्ति से युक्त आपकी मनोवृत्ति मिलनसार है तथा आपका जीवन धन एवं प्रसन्नता युक्त रहेगा। आप प्रयाप्त मात्रा में पर्यटन का सुअवसर प्राप्त करते हो। इस कारण वश आपके नये-नये मित्र बन जाते हैं। वे लोग आपकी सहायता करेंगे।

आपका एक शांतिपूर्ण भवन होगा। जहां निवास कर आप अपनी पत्नी एवं संतान के साथ आनंद पूर्वक जीवन बिताएंगे। परंतु आपका परिवार आपके आदान-प्रदान से संबंधित अनुभव करेंगे कि आप अपने जीवन संगिनी के प्रति किस हद तक समर्पित हैं। अन्य स्त्री के प्रति आपका आकर्षण तथा आप काम वासना के प्रति लुभाने वाले तथा विचलित हो जाने वाले व्यक्ति हैं। आपके प्रति विपरीत योनि के लोग आकर्षित हो जाते हैं। क्योंकि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ तथा आपकी आंखें आकर्षक हैं। बल्कि आप लंबे-सीधे एवं लंबे पैरों से युक्त हैं।

आप अतिशीघ्रता पूर्वक उच्च सफलता के शिखर पर पहुंच सकते हैं यदि आप लेखन कार्य पत्रकारिता अथवा पुस्तक प्रकाशन, ज्योतिषीय कार्य, शिक्षण कार्य अथवा न्यायिक कार्य, अर्थात् वकालत पेशे से संबंधित हो जाएं। आप स्वस्थ एवं आनंदित रहेंगे। परंतु आप बवासीर,

उदर संबंधित असामान्यता तथा श्वांस नली संबंधित रोग से ग्रसित हो सकते हैं। अतः आप शीघ्रता पूर्वक वैकल्पिक सावधानी बरते। आपके लिए अनुकूल एवं मनभावन रंग सफेद हैं परंतु यह आपको अनुकूलता प्रदान नहीं करता। आपके लिए पीला, गुलाबी, बैंगनी, नीला एवं हरा रंग अभिष्ट है। आप अपनी मनोवृत्ति को सफेद रंग के प्रति बदल दें तथा लाल एवं काले रंग का पत्याग करें।

आपके लिए अनुकूल एवं स्पंदित अंक 7 एवं 3 अंक है परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल है, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

Shivani

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के प्रथम चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं मीन राशीय द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नादिक समन्वित प्रभाव एवं ज्योतिषीय आकृति के अनुसार ऐसा अनुकूल संयोजन बन रहा है कि आप स्वाभाविक रूप में ऐसी आशा कर सकती हैं कि आपका जीवन धन और प्रसन्नता से युक्त आभिमंत्रित और धन्य है। इसका प्रभाव आपके जीवन, संतान और उसकी संतान तक अक्षुण्ण रहेगा।

आप आकर्षक शारीरिक गठन से युक्त होंगी तथा प्रसन्नतम रूप के सहारे आप अधिकाधिक व्यक्तियों को आकर्षित करेंगी। आप सदैव चाहती हैं कि अच्छी प्रकार विपरीत योनि के सदस्यों पर अपनी प्रभाव जमा लें, अर्थात् पुरुषों को प्रभावित कर लें। आप जीवन में प्रेम को एक महत्वपूर्ण वस्तु समझती हैं। आप सदैव अपना झुकाव आनन्द प्राप्त करने में तथा रोमांचित कार्य में लगाना चाहती हैं। आप पति के चयन हेतु अपने लिए सुंदर अनुकूल एवं जीवन को आनंदित करने वाले कर्क अथवा कन्या राशि का जातक होगा।

यदि आप वासनात्मक घटनाक्रम को अति उत्कण्ठित होकर देखेंगी तब आप और भी अच्छा कर सकती हैं। आपके पास अच्छा ज्ञान है, इसलिए आप इसे साहस, सामर्थ्य के अनुसार किसी भी प्रकार की चुनौती को देख कर अपने हस्तगत कार्य को संपन्न करने का निर्णय कर सकती हैं।

आपकी अतिरिक्त आय भी आपके कार्यकलाप के अनुरूप होगी। आप हर दशा में भविष्य में परंपरा के अनुरूप पैतृक संपत्ति भी प्राप्त कर सकती हैं। इसलिए आप हर दृष्टिकोण से पारिवारिक व्यवसाय की तरह व्यवसाय से लाभ प्राप्त करेंगी। आपका इस व्यवसाय के साथ संबंध रहना अच्छा है। अन्यथा आप व्यवसायों में यथा सामुद्रिक व्यवसाय, आयात-निर्यात कार्य, छाता अथवा बरसाती कोर्ट अथवा अभियांत्रिकी कार्य में सफलता प्राप्त कर सकती हैं।

सामाजिक जीवन के प्रति आपका अनुराग रहेगा। आप अधिक से अधिक एक क्लब की सदस्य होंगी एवं अनेक मित्रों को आकर्षित करेंगी। परंतु आपको अपने मित्रों का

चयन करने (बनाने) के प्रति सतर्क रहना चाहिए क्योंकि इन मित्रों में से कुछ मित्र आपके उत्तम प्रबंध का दुरुपयोग करेंगे तथा ऐसी संभावना है कि वे आपके साथ कोई धोखा धड़ी का प्रयास करेंगे।

इसके अतिरिक्त आपके मित्रगण आपमें अनुरागी एवं प्रशंसक होकर आपके उदार प्रवृत्ति से आवश्यकता के अनुरूप सहायक होंगे। मुख्यतः आपके अधीनस्थ रहने वाले लोग भी सहायक होंगे।

बल्कि आप मीन राशि की द्विस्वभात्मक प्राणी हैं। इसलिए आपके (स्वाभावादि) का अध्ययन करना लोगों के लिए दुष्कर है। सामान्यतः आप शांति एवं प्रसन्नचित्त प्राणी हैं तथा अकस्मात् आप सुरक्षित हो जाती हैं। ऐसा बदलाव क्यों? यह प्रवृत्ति अन्यो को आश्चर्य में डाल देती हैं। आप एक चिंतनशील भावना की प्राणी हो सकते हैं। आप अन्यो की समस्या के संबंध में सोचती रहती है जो कि विषय विचार-विमर्श के अंतर्गत होता है। परंतु यह प्रवृत्ति अन्यो के ऊपर गलत प्रभाव डालती है। वे ऐसा अनुभव करते हैं कि आप उन लोगों की अनदेखी करती हैं। अच्छा तो यह है कि आप नीची दृष्टि कर के धरती पर आ कर करें तथा आप सतत अपने मित्र एवं विश्वास पात्रों से उत्तम धारणा का आनंद प्राप्त करें।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, परंतु ऐसा संकेत प्राप्त होता है कि आप कतिपय रोगों से आक्रांत हो सकती हैं। यथा कफ, जुकाम, सर्दी, अपाचनिक अथवा हार्नियां रोगादि। अतः आप अपने पारिवारिक चिकित्सक से समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें।

आपके लिए अंकों में अनुकूल एवं आवश्यक अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक लाभदायक एवं भाग्यशाली है। परंतु मात्र 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम एवं लाभजनक दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम प्राप्ति के दिन हैं। इसके अतिरिक्त अन्य तीन दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल एवं अव्यवहरणीय है।

आप हर दशा में (ब्लू नीले रंग का परित्याग करें, क्योंकि यह रंग आपके लिए अव्यवहरणीय है। शेष लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीला रंग आपके लिए उत्तम, प्रसन्नतादायक एवं आनंद प्रदान करने वाला है।

अंक ज्योतिष फल

Manish

आपका जन्म दिनांक पाँच होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक पाँच होता है। इसका स्वामी बुध ग्रह है। मूलांक पाँच के प्रभाववश आप रोजगार के क्षेत्र में नौकरी की अपेक्षा व्यापार के मार्ग की ओर अधिक आकृष्ट रहेंगे। यदि आप नौकरी का मार्ग चुनते हैं तो ऐसा रोजगार आपको अधिक पसन्द आयेगा। जहाँ लेन-देन, लेखा, यांत्रिकी, वाणिज्य, इत्यादि का कार्य होता हो। कम्पनी, फैक्ट्री, उच्च व्यापार जगत आपको रास आयेगा।

बुधग्रह के प्रभाववश आपके अन्दर वाक्पटुता, तर्कशक्ति अच्छी रहेगी एवं सामने वाले व्यक्ति को आप अपनी बातों से प्रभावित करने में समर्थ रहेंगे। आप हर कार्य को जल्दी समाप्त करना पसन्द करेंगे एवं ऐसे रोजगार की ओर उन्मुख होंगे जिसमें शीघ्र सफलता कम मेहनत तथा अधिक लाभ पर प्राप्त होती रहे। आप थोड़े जल्दबाज एवं फुर्तीले भी रहेंगे। जल्दबाजी के चक्कर में आप कभी-कभी हानियों का भी सामना करेंगे।

आपकी मानसिक स्थिति चंचल होने से आपको शीघ्र क्रोध आ जाया करेगा एवं कभी-कभी चिड़चिड़ाहट भी रहा करेगी। आप अधिकांशतः बुद्धि जनित कार्यों में रुचि लेंगे। इस कारण आपकी दिमागी ताकत अधिक खर्च होने से अधिक आयु में आपको स्नायुवेग द्वारा उत्पन्न रोगों का भी सामना करना पड़ेगा।

मूलांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह होने से कमोवेश बुध के गुण-अवगुण आपके अन्दर आयेंगे। विद्याध्यन लेखन-पठन की ओर आपकी विशेष रुचि रहेगी।

Shivani

आपका जन्म दिनांक 18 है। एक एवं आठ के योग से आपका मूलांक 9 बनता है। मूलांक नौ का स्वामी मंगल है। एक का सूर्य तथा आठ का शनि। इन तीनों ही ग्रहों का प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में आपके जीवन में आयेगा। मूलांक नौ के प्रभाव से आप एक साहसी महिला होंगी तथा साहस भरे कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। जब कभी आप दुःसाहसी होंगी, तब आपको हानि उठानी पड़ेगी। आप अनुशासन पसन्द करेंगी। कार्यक्षेत्र में अपना एकाधिकार या प्रभुत्व चाहेंगी तथा ऐसे कार्यों में आपकी विशेष रुचि रहेगी जहाँ आप स्वतंत्र रूप से मुखिया की भूमिका निभायेंगी। आपके स्वभाव में फुर्तीलापन एवं जल्दबाजी होगी। आप चाहेंगी कि हर कार्य शीघ्र एवं फुर्ती से हो। इसमें व्यवधान आने पर आपका क्रोध बढ़ेगा क्योंकि रुकावटों को आप बर्दाश्त नहीं कर पायेंगी।

एक अंक का स्वामी सूर्य एवं आठ अंक का स्वामी शनि होने से हर सफलता के मध्य अवरोध, रुकावटें आयेंगी। जिनसे आपकी तेज बढ़ती उन्नति में ब्रेक लगेगा तथा आपकी महत्वाकांक्षा देर से पूरी होगी। इससे कई योजनाएं शुरू होने के बाद रुक जायेंगी या धीमी गति को प्राप्त करेंगी। जिसमें आपका तन-मन-धन तीनों ही व्यय होंगे। आपको खुशामदी,

चापलूस व्यक्तियों से हानि मिलेगी। अतः ऐसे व्यक्तियों से सावधान रहें जो आपकी अत्यधिक चापलूसी करें।

मंगल का मूलांक होने से आपको अपने जीवन में काफी संघर्ष करना पड़ेगा एवं जो भी सफलता मिलेगी वह कड़ी मेहनत, भाग-दौड़ के बाद ही प्राप्त होगी। मंगल, सूर्य, शनि के संयुक्त प्रभाववश आपका जीवन विध्वन-बाधाओं, कठिनाईयों, आलोचनाओं को पार कर स्वयं की मेहनत एवं लगन द्वारा उच्चता के शिखर पर पहुँचेगा।

Manish

भाग्यांक एक का अधिष्ठाता सूर्य ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आप अपने कार्यक्षेत्र में एक चतुर, बलवान, बुद्धिमान, राजसी ठाटबाट को पसन्द करने वाले स्पष्ट वक्ता होंगे। आप स्वभाव से गम्भीर, उदार हृदय, परोपकारी, सत्य के मार्ग पर चलने वाले यशस्वी तथा विरोधियों को परास्त करने में विश्वास रखने वाले शूरवीर व्यक्ति के रूप में पहचान स्थापित करेंगे। आपका जीवन चक्र एक राजा की भाँति संचालित होगा अर्थात् आप हुकूमत पसन्द, स्वतंत्र तथा स्थिर विचार धारा पर निर्भीक चलेंगे। अहं या स्वाभिमान आपमें कूट-कूट कर भरा होगा।

आपकी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति, आपकी मेहनत से होगी। अधिकारों में वृद्धि होगी। सूर्य अग्नि तत्व का द्योतक होने से आपका तेज समाज के विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त होगा। जीवनी शक्ति आप में अच्छी रहेगी। एवं दूसरों को प्रोत्साहित करने में कुशल रहेंगे। आपका भाग्य उच्च श्रेणी का होने से आप एक दिन अपने श्रम, लगन, स्थिर प्रकृतिवश सर्वोच्चता को प्राप्त करेंगे। सूर्य प्रकाशित ग्रह होने से आपको हमेशा प्रकाश में रहना सुखकर लगेगा और ऐसे ही कार्यक्षेत्र को पसन्द करेंगे, जिसमें नाम तथा यश दोनों ही मिलें।

Shivani

भाग्यांक नो का स्वामी मंगल ग्रह को माना गया है। यह ग्रह मण्डल का सेनापति है। रक्त वर्ण का क्षत्रियोचित गुणों का है। इसके प्रभाव से आप स्वतंत्ररूप से रोजगार- व्यापार के क्षेत्र में तरक्की करेंगी। साहस भरे कार्यों से आपका भाग्योदय होगा। आप ऐसे क्षेत्र में अपना रोजगार प्राप्त करेंगी, जहाँ आपकी हुकूमत चलती रहे। मुखिया, नायक, अगुआ के रूप में कार्य करना आपको हमेशा अच्छा लगेगा।

रोजगार के क्षेत्र में आप अपनी स्वतंत्र विचारधारा के द्वारा महत्वपूर्ण उन्नति को प्राप्त करेंगी। यांत्रिक कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। एकाधिकार पूर्ण कार्य क्षेत्र आपकी प्रथम पसन्द रहेंगे और आपकी कोशिश रहेगी कि आपने जो कार्यक्षेत्र अपने जीवन यापन हेतु चुना है उसमें किसी का भी हस्तक्षेप न हो। विरोध, बिना वजह का हस्तक्षेप आप बर्दास्त नहीं कर पायेंगी। यांत्रिकी कार्य, चिकित्सा, सेना, संगठन, सामाजिक क्रिया कलापों में आप गहरी रुचि प्रदर्शित करेंगी।